भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1181

जिसका उत्तर दिनांक गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2013 को दिया जाना है

निधियों का विपथन

1181. श्री एम. बी. राजेश:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (आईएल) की पलक्काड इकाई से निधियों का विपथन अन्य घाटे में जा रही इकाइयों में करने की स्वीकृति दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान पलक्काड इकाई से वर्ष-वार कितनी धनराशि का अंतरण किया गया है;

(घ) क्या धनराशि के अंतरण से आई एल की पलक्काड इकाई की परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क) जी, नहीं।

(ख) उपर्युक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग)

वित्त वर्ष	**अंतरित निधियां**
2010-11	15.15 करोड़ रु.
2011-12	5.15 करोड़ रु.
2012-13	शून्य
2013-14 (नवंबर तक)	0.40 करोड़ रु.

(घ) और (ङ): जी, नहीं। इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (आईएल), पलक्काड से इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (आईएल), कोटा को निधियों का अंतरण इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड, पलक्काड द्वारा विपणनकारी इकाइयों तथा कार्पोरेट मुख्यालय से ली गई सेवाओं के लिए "अंतर इकाई समायोजन" के कारण किया गया है।

(च) उपर्युक्त (घ) और (ङ) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।